वर्ष :: 33 अंक : 22
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 26 फरवरी, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

ईडी के जाल में फंसेंगी अब 'बड़ी मछलियां'

सख्ती... 6 आईएएस अफसरों, 9 मंत्रियों और विरोधी दल के 5 नेताओं की नींद हराम

दबोचे गए इंजीनियर वीरेंद्र का कबूलनामा- कोई भी मुख्य अभियंता या सचिव दूध का धुला नहीं, सबको पहुंचाता रहा हूं पैसे

- शशांक शेखर -

रांची : मनी लाउंड्रिंग मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के हत्थे चढ़े ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य अभियंता वीरेन्द्र राम की गिरफ्तारी ने एक बार फिर झारखंड में लूट-खसोट और भ्रष्टाचार की कलई खोलकर रख दी है। यह साबित हो गया कि यहां सत्ताधारी दल के नेता हों या विरोधी दल के, अधिकारी हों या कर्मचारी, सब के सब लूट-खसोट की बहती गंगा में गोते लगा रहे हैं। राज्य का विकास उनके लिए कोई मायने नहीं रखता, बस अपना विकास होना चाहिए। बहरहाल, धनकुबेर के रूप में सामने आए इंजीनियर वीरेंद्र राम की गिरफ्तारी के बाद अब उसके इकबालिया बयान पर अगर ठोस कार्रवाई होती है, तो निश्चय ही कई 'बड़ी मछलिया" ईडी के जाल में होंगी। उसने कई बड़े नाम भ्रष्टाचार के इस खेल के खिलाड़ियों के रूप में लिए हैं। ईडी से पूछताछ में वीरेंद्र ने यह कबूल किया है कि वह तो बस एक अदना सा जरिया बना था। उसने कहा- सिर्फ मैं ही नहीं, यदि पथ निर्माण विभाग, खनन विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों के मुख्य अभियंताओं सहित आईएएस अफसरों और विभागीय सचिवों का पूरा खाका खंगालेंगे, तो ये सारे सैकड़ों करोड़ों का मालिक मिल जाएंगे। इस इकबालिया बयान के बाद अब राज्य के छह आईएएस अफसरों, नौ मंत्रियों और विरोधी दल के लगभग आधा दर्जन नेताओं की नींद हराम हो गई है। उनकी धड़कनें बढ़ गई हैं कि कहीं अगली बारी उनकी तो नहीं। इसके पहले भ्रष्टाचार के मामले में पूजा सिंघल जैसे सचिव स्तर के अधिकारी पर हुई कार्रवाई उनकी जेहन में डर के उदाहरण के रूप में दौड़ रही है।

सचिवों और मंत्रियों को 10% तक कमीशन

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार वीरेंद्र ने अपनी स्वीकारोक्ति में कहा कि उसे मात्र 0.3 से 0.5 प्रतिशत कमीशन मिलता था। उसके बाद 1-10 प्रतिशत तक सचिवों, मंत्रियों, राजनीतिज्ञो तथा विरोधी दल के नेताओं को दिया जाता है। उसमें उपायुक्तों को भी उनकी हैसियत और ईमानदारी के हिसाब से परखा जाता है। ईमानदार को छोड़कर कर अन्य सभी को भी कमीशन जाता है।

फोन खंगाला, तो होगा बड़ा खुलासा

वीरेंद्र राम ने कहा - मैं दूध का धुला नहीं, लेकिन ऐसा कदापि नहीं है कि भाजपा नेताओं ने तथा वर्तमान सरकार के मंत्रियों सहित मुख्यमंत्री के करीबी रिश्तेदारों तक ने मुझसे पैसा नहीं लिया है। यदि मेरे फोन की जांच की जाय, तो सबों का नंबर और विवरण अंकित हो जाएगा। राम के इस कथन के बाद झारखंड के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों तथा आईएएस अधिकारियों की नींद हराम हो गई है।

संदेह के घेरे में सरकार की चुप्पी, ईडी ने खड़े किए कई बड़े सवाल

इस बीच ईडी ने कई बड़े सवाल उठाए हैं। सरकार से यह सूचना मांगी है कि कौन-कौन सी योजनाएं मुख्य अभियंता के रहते मिली और एसीबी के डीजीपी को जब ईडी ने पत्र लिखा और जानकारी मांगी, तो इन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इतना ही नही, वीरेन्द्र के खिलाफ एसीबी ने जब पीई (प्वाइंटल इंवेस्टिगेशन) की अनुमति मांगी, तो अनुमति क्यों नहीं दी? 23.69 करोड़ रुपए की लेनदेन कैसे हुई और सरकार इसमें क्यों चुप रह गई? इस संबंध में चार्टर्ड एकाउंटेड मुकेश मित्तल को एसीबी आरोपी बनाएगा तथा वीरेंद्र के परिवार के हरेक सदस्य द्वारा फाइल किए गए आईटी रिटर्न मंगाने की तैयारी की जा रही है। सूचना के अनुसार आयकर विभाग को किसी भी संपत्ति के बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। ऐसे में वर्ष 2012 से लेकर 2023 तक विभिन्न विभागों में कौन-कौन सचिव, थे, उनकी भूमिकाएं क्या थीं और कितना रिटर्न उन्होंने दिया, इसकी भी जांच बड़ा खुलासा कर सकती है। वीरेंद्र के रिश्वत के पैसों को खपाने में आरके इंवेस्टमेंट, आरपी इंवेस्टमेंट तथा 6 अन्य कंपनियों को ईडी नोटिस करने जा रहा है।

पत्नी के करोड़ों के हीरे-जवाहरात, कई राज्यों में संपत्ति

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेन्द्र की पत्नी राजकुमारी (शेष पेज- 7 पर)

– संपादकीय –

भ्रष्टाचार पर कसता शिकंजा

मनी लाउंड्रिंग मामले में गिरफ्तार झारखंड सरकार के मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम और उनके भ्रष्टाचार की कहानी आजकल चर्चा का विषय बना हुआ है। चौक-चौराहों पर भी लोग इसी बात की चर्चा करते सुने जाते हैं। इन्हें आज का धन कुबेर घोषित किया जा चुका है और ईडी इस धन कुबेर की चौतरफा घेराबंदी की तैयारी कर चुका है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम द्वारा की गई छापामारी के दौरान जिन तथ्यों का खुलासा हुआ है, उनसे राज्य के कई राजनेताओं और अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। झारखंड में ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम अब ईडी की गिरफ्त में हैं। अपनी अवैध कमाई से अकूत सम्पत्ति अर्जित करने वाले वीरेन्द्र राम की शानोशौकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह विदेश से 300 रुपये लीटर का विदेशी पानी पीते थे। दो दिनों तक चली छापेमारी के दौरान ईडी को वीरेंद्र राम के विभिन्न ठिकानों से करोड़ों रुपये की संपत्ति की जानकारी मिली है। छापेमारी के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात ये भी सामने आई कि पूरा परिवार दौलत के नशे में चूर है। पिता की काली कमाई से बेटा नवाबी कर रहा था, वहीं पत्नी महंगी चीजों की शौकीन थी। छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों से वीरेंद्र राम की पत्नी और बेटे द्वारा दुर्व्यवहार करने की खबरें भी सामने आईं। अभी तक जो बात सामने आयी है, उसमें स्पष्ट हुआ है कि वीरेन्द्र राम अपनी काली कमाई का हिस्सा राजनेताओं और अधिकारियों तक पहुंचाता रहा है। टेंडर मैनेज करने में वीरेंद्र राम की महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। कमीशन का खेल इस कदर हावी था कि ठेकेदारों को काम लेने के पहले ही 3 से 4.5 प्रतिशत का भुगतान करना पड़ रहा था। छापामारी के दौरान वीरेन्द्र राम के ठिकानों से करोड़ों रुपये की संपत्ति मिली है। छापेमारी के दौरान ईडी को भारी मात्रा में सोने और हीरे के जेवरात मिले हैं, जिनकी कीमत डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। दिल्ली, रांची और जमशेदपुर में वीरेंद्र राम का आलीशान मकान है। करीब 50 लाख रुपये नगदी के साथ ही करोड़ों के निवेश की जानकारी भी मिली है। ईडी की छापामारी और वीरेन्द्र राम की गिरफ्तारी से इस बात का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार के शिकंजे में झारखंड किस तरह फंसा हुआ है और किस तरह इस प्रदेश के खजाने को लूटने की होड़ मची है। यहां के राजनेता और नौकरशाह मालामाल हो रहे हैं, हर जगह सरकारी धन-संपदा की लूट मची है और आम जनता के दर्द से किसी को कोई सरोकार नहीं है। अगर यही हाल रहा तो प्राकृतिक व खनिज संपदाओं से भरपूर इस प्रदेश की बदहाली को शायद ही कोई रोक सकता है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

परमाणु युद्ध के मुहाने पर दुनिया महाविनाश की ओर बढ़ते कदम

- एस. के. झा-

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के एक वर्ष पूरे हो चुके हैं। हालात सुधरने की बजाय और खराब हो चुके हैं। यूक्रेन के साथ अमेरिका खड़ा है और दुनिया जानती है कि रूस और अमेरिका की शुरू से कभी आपस में नहीं बनी। दोनों ही महाशक्तियां अब इस युद्ध के बहाने आमने-सामने हो चुकी हैं और विश्व परमाणु युद्ध के मुहाने पर खड़ा हो चुका है। अमेरिका के साथ रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाले न्यू स्टार्ट समझौते को तोड़ने के बाद न्यूक्लियर बार की आशंका बलवती दिख रही है। राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के खतरनाक इरादे पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। रूस ने जिस संधि को तोड़ दिया, वह दोनों ही महाशक्तियों को परमाणु परीक्षण करने से रोकती थी।

बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के यूक्रेन में औचक दौरे के साथ ही यूएस समेत पश्चिमी देशों ने जिस तरह से राष्ट्रपति जेलेंस्की की मदद का ऐलान कर दिया, उससे साफ है कि यह युद्ध अब रूस बनाम यूक्रेन ही नहीं, बल्कि रूस बनाम अमेरिका और यूरोप हो चुका है। रूस हर हाल में युद्ध जीतना चाहता है और अब इसके लिए परमाणु हथियारों की ओर ब्लादिमीर पुतिन बढ़ चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि पुतिन ने 32 साल से बंद पड़ी रूस की नोवाया जेमल्या परमाणु परीक्षण साइट को खोलकर पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। पुतिन ने इस साइट पर जल्द ही परमाणु परीक्षण का निर्देश दे दिया है। इससे जाहिर तौर पर दुनिया में महाविनाश का घटना मंडराने लगा है।

दुनिया में सबसे अधिक परमाणु हथियार रखने वाला रूस अब किसी भी हद तक जाने को तैयार है। उसे केवल जीत और बस जीत ही पसंद है। यह बात अमेरिका भी जानता है कि पुतिन कभी हार नहीं मानेंगे और वह यूक्रेन पर आखिरी वक्त में परमाणु हथियार गिरा सकते हैं। परमाणु हथियार के इस्तेमाल का क्या नतीजा रहा है यह सर्वविदित है। आज भी हिरोशिमा और नागासाकी इससे प्रभावित है। रूस की जिद को देखते हुए जो बाइडन का प्रशासन पुतिन के हर कदम पर न सिर्फ नजर रख रहा है, बल्कि उसने भी परमाणु परीक्षण की तैयारियों को तेज कर दिया है, ताकि रूस को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सके। इधर, रूस ने भी साफ कर दिया है कि यदि अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया, तो रूस को कोई भी नहीं रोक सकता है। जाहिर है, ऐसे में परमाणु युद्ध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत की भूमिका अहम

रूस-यूक्रेन युद्ध पर विराम लगाने की दिशा में दुनिया अब भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और भारत के साथ रूस के संबंधों को देखते हुए ऐसा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को भारत ने हमेशा बातचीत और कूटनीति के जरिए हल करने पर जोर दिया है। भारत किसी भी शांति प्रक्रिया में योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। सुरक्षा और रक्षा सहयोग हमारी रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ बन सकता है। उन्होंने कहा कि बातचीत के जरिए यह युद्ध जल्द से जल्द समाप्त होना चाहिए। भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ दिल्ली में मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का रुख जाहिर किया। अगर समय रहते भारत युद्ध रोकने की दिशा में पहल करता है और रूस बात मान जाता है, तो निश्चय ही महाविनाश के खतरे को रोका जा सकेगा और इससे भारत की वैश्विक छवि विश्व मे शांतिगुरु के रूप में स्थापित हो सकेगी।

ऋतुराज

– शम्भुनाथ–

ऋतुराजक मृदु पाबि बसाते
मन्मथ वेग न बाधा।
चंचल चारु चरण के धुन हित
आकुल तन मन राधा।।

मदिर नयन बिहुँसय छन छन रहि
सोचय मधुर मिलाने।
रहि रहि पता लता सँ पूछय
आतुर होय पराने।।

आबि तीर यमुना जल भीजय
तन आतप अति बाढ़े।
सिर पट कबहुँ फेकि उर खोलय
लाजे घोघट काढ़े।।

मैथिली कविता

व्यथित मार शर पीड़ित राधा
देखि सखी अकुलाये।
केहि सँ कहय जाय से केहि विधि
सब हिय काम समाये।।

मादक सुरभि बसात पसारे
सब जिय मत्त मलंगे।
बरसय मेघ सुधा रस टपकय
भीजल सभकेर अंगे।।

फिर आफत... उपायुक्त ने कहा- घबराने की बजाय सतर्क रहें जिलावासी; चिकन खाने से करें परहेज

बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद मचा हड़कंप प्रशासन अलर्ट, जारी की गाइडलाइन

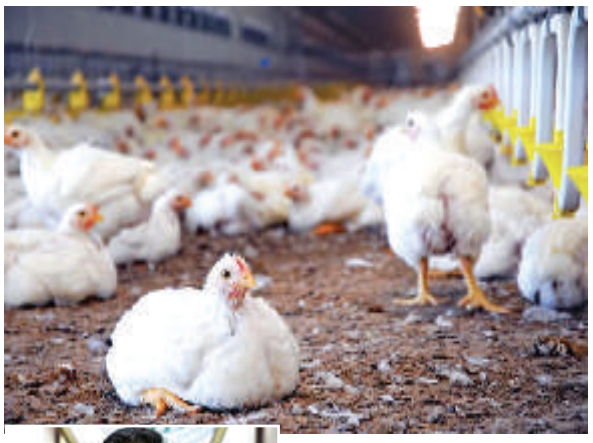

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में मुर्गियों की लगातार मौत और इसका कारण बर्ड फ्लू (एच5एन1) की पुष्टि होने के बाद जिलावासियों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। चिकन के विभिन्न आइटम खाने के शौकीन लोगों के लिए होली से पहले यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है। जिले में बर्ड फ्लू से अब तक लगभग 700 से अधिक मुर्गियों की मौत के बाद झारखंड के कई जिलों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यहां जिला प्रशासन इसे लेकर खासी सतर्कता बरत रहा है। भोपाल के लैब से भी यहां बर्ड फ्लू की मुर्गियों की मौत की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन की ओर से गाइडलाइन जारी की गई। उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने जिलावासियों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय टीम ने भी यहां बर्ड फ्लू के हालात का जायजा लिया था। दिल्ली से पशुपालन विभाग की टीम में डॉक्टर जिमी शर्मा, कोलकाता से स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉ. सीएस तलकर, डॉ. अमित भौमिक और डॉ. शिवकुमार शामिल थे। इस दौरान 1000 से अधिक अंडे और एक सौ से अधिक मुर्गियों को नष्ट किया गया। मुर्गियों के मरने की शुरुआत 3 फरवरी से हुई थी। सैंपल की रिपोर्ट 21 फरवरी को पॉजिटिव पाई गई थी। उसके बाद से लगातार मुर्गियों की मौत का सिलसिला बरकरार है।

मनुष्यों में भी फैल सकता यह संक्रामक रोग

एच5एन1 वायरसजनित रोग बर्ड फ्लू मुख्यतः मुर्गियों का अत्यंत संक्रामक रोग है। संक्रमित पक्षी अथवा मुर्गी के सम्पर्क में जाने से यह संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकता है। मनुष्यों में बर्ड फ्लू के लक्षण साधारण फ्लू से मिलते-जुलते हैं। जैसे सांस लेने में परेशानी, तेज बुखार, जुकाम और नाक बहना। इस तरह की समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में इसकी सूचना दें। सामान्यतः बर्ड फ्लू का वायरस 70 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर नष्ट हो जाता है। किसी स्थान पर बर्ड फ्लू रोग की पुष्टि होने के बावजूद अंडे व चिकन 70 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक पकाकर खाने में कोई नुकसान नहीं है।

बचाव के लिए ये बरतें सावधानियां

बीमार मुर्गियों के सीधे सम्पर्क में न आयें। दास्ताने या किसी भी अन्य सुरक्षा साधन (मास्क) का इस्तेमाल करें। बीमार पक्षियों के पंख, श्लेष्मा (म्यूकस) और बीट न छूयें। छू जाने की स्थिति में साबुन से तुरंत अच्छे तरीके से हाथ धोयें। संक्रमित पक्षियों व मुर्गियों को मारने के बाद उनका सुरक्षित निपटारा करें। बीमार अथवा मरे हुए पक्षी की सूचना तुरन्त निकटतम पशुपालन विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को दें। ऐसा करना जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

मुर्गियों में टांगों का नीलापन और सिर में सूजन रोग की पहचान

प्रशासन ने मुर्गी विक्रेताओं से अपील करते हुए कहा कि पक्षियों अथवा मुर्गियों पर नजर रखें।यदि पक्षियों व मुर्गियों की आँखों, गर्दन और सिर के आस-पास सूजन है, आंखों के रिसाव हो रहा है, कलगी और टांगों में नीलापन आ रहा है, अचानक कमजोरी, पंख गिरना गढ़ रहा है और पक्षियों की हरकत में कमी आ रही है, वे कम आहार ले रहे हैं तथा सामान्य से अधिक संख्या में इनकी मृत्यु हो रही हो तो यह सब खतरे के संकेत हैं। पक्षियों में ऐसे असामान्य लक्षण दिखाई देते हैं तो इसे छिपाये नहीं, क्योंकि यह आपके परिवार तथा समाज के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। लक्षण मिलने पर जिले के नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों से संपर्क करें।

बाहर से मुर्गियों की आपूर्ति पर रोक, सीमा पर नजर

जिला में पहले राजकीय कुक्कुट पालन केंद्र, सेक्टर- 12 और जरीडीह के गायछंदा में मुर्गियों के मरने का कारण बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जिले के बॉर्डर पर भी नजर रखी जा रही है। बाहर से मुर्गियों की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। एसडीओ के आदेश पर बार्डर के आसपास वाले इलाकों के सभी थाना प्रभारियों को खास तौर से निर्देश दिया गया है। चास और बेरमो, दोनों ही अनुमंडल क्षेत्रों में मुर्गा-मुर्गी की बिक्री पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। सरकार से मिले पत्र में बर्ड फ्लू की पुष्टी होने के बाद से अब सभी स्थानों में मुर्गी खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

निर्वाचन प्रजातांत्रिक तरीके से श्री अय्यप्पा सेवा संघम का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, विवादों पर विराम

राजगोपाल अध्यक्ष, तो सुशीलन बने महासचिव

संवाददाता

बोकारो : श्री अय्यप्पा सेवा संघम कमेटी का चुनाव प्रजातांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। इसके साथ ही संघम के सांगठनिक विवादों पर विराम भी लग गया। पूर्व निर्धारित निर्णयानुसार श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल में प्रातः 10 बजे निर्वाचन-प्रक्रिया शुरू हुई। केरल के पूर्ण कोरम सदस्यों की उपस्थिति में 2023-26 के लिए नई प्रबंधन समिति को 95 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ सर्वसम्मति से चुना गया। इस वार्षिक आमसभा (एजीएम) के दौरान ध्वनिमत से अध्यक्ष पी. राजगोपाल, उपाध्यक्ष मोहनन आर. नायर और शशिंद्रन करात, महासचिव ईएस सुशीलन तथा कोषाध्यक्ष बाबूराज आर. बनाये गए। जबकि, बोर्ड सदस्यों के रूप में सुरेश कुमार केए और शाजिन बी. को चुना गया।

सतीश नायर के सपनों को करेंगे साकार : राजगोपाल

चुनाव में अध्यक्ष निर्वाचित हुए पी. राजगोपाल ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि सतीश नायर के नेतृत्व में निवर्तमान कमेटी का कार्यकाल बेहद सराहनीय और उत्तम रहा। पूर्व अध्यक्ष श्री नायर ने विद्यालय, मंदिर, संगठन और समाजहित में जो कार्य-योजनाएं तैयार की थीं, उन्हें सभी के सहयोग से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी को साथ लेकर टीम भावना के साथ काम करते हुए श्री नायर के सपनों को वह साकार करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

विवादित मुद्दे उठाने वाले बैठक बीच में ही छोड़ निकले

चुनाव के निमित्त हुई वार्षिक आमसभा की शुरूआत में सिर्फ दो सदस्यों - अविनाश उन्नीतन और संतोष कुमार ने विवादित मुद्दे बनाए, लेकिन बाद में वे बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए। अध्यक्ष राजगोपाल के अनुसार यह चुनाव अविनाश उन्नीतन द्वारा बनाए गए उस विवाद को भी समाप्त करता है, जिसमें वह संघम के नए निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे। इसके लिए उनके खिलाफ बोकारो की अदालत में एक मामला अभी भी चल रहा है। वहीं, अपर समाहर्ता की रिपोर्ट के आधार पर झारखण्ड उच्च न्यायालय में शपथनामा भी दायर किया गया है। चुनाव में संभावित अशांति के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा के निर्देशन में रविवार सुबह से ही चुनाव-स्थल पर पुलिस की टीम मुस्तैद रही। विधि-व्यवस्था की देखरेख के लिए सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में सेक्टर-6 थाने की पुलिस तैनात रही।

मयूर पार्क- सौंदर्यीकरण व हाउसकीपिंग की पहल

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के इन्स्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन विभाग द्वारा विभागीय भवन के समीप मयूर मार्क का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी ने किया। इन्स्ट्रूमेंटेशन विभाग के प्रमुख एन के घोष के मार्गदर्शन में इस परियोजना का क्रियान्वयन महाप्रबंधक भवानी प्रसाद द्वारा किया गया है। आंतरिक संसाधनों के उपयोग से विकसित इस पार्क को मोर की मूर्तियां, पेंटिंग, स्ट्रक्चरल शॉप में निर्मित मयूर की आकृतियां तथा रंग-बिरंगे प्रकाश द्वारा सुरुचिपूर्ण तरीके से सुसज्जित किया गया है।

पार्क में अवस्थित इंस्ट्रूमेंटेशन आर्ट गैलेरी में लगाए गए विभिन्न प्रकार के स्कल्पचर व पेंटिंग भी कर्मियों को आकर्षित कर रही है। सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यहां 12 नए कार गैरेज, 2 मोटर साइकिल स्टैंड तथा साइकिल स्टैंड भी बनाए गए हैं। सौंदर्यीकरण व हाउस कीपिंग के इस पहल की वरीय अधिकारियों ने सराहना की और अन्य विभागों को भी इस दिशा में बढ़ने का सुझाव दिया।

हर दिन दो लाख की चोरी

दो महीने में 60 लाख से अधिक की संपत्ति ले गए चोर

गृहभेदन की घटनाओं पर रोक लगाने में पुलिस विफल, लोग भी बेपरवाह

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : घर बंद पर पूरे परिवार के साथ कहीं जाना बोकारो में खतरे से खाली नहीं है। शहर में जिस कदर चोरों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस चोरों पर जोरदार शिकंजा कस पाने में जिस प्रकार शिथिल दिख रही है, उस परिस्थिति में यह तय है कि बोकारो में घर बंद कर जाना चोरी को खुला आमंत्रण देना है। शहर में लगातार गृहभेदन की घटनाएं हो रही हैं। आंकड़ों पर गौर करें, तो इस साल जनवरी से लेकर फरवरी माह में खबर लिखे जाने तक पिछले दो महीने के भीतर 60 लाख रुपए मूल्य की संपत्ति चोरी हो चुकी है। यानी औसतन, हर दिन दो लाख की चोरी यहां हो रही है। आश्चर्य की बात तो यह है कि बंद घर का खतरा जानते हुए भी लोग लापरवाही बरतना नहीं छोड़ रहे। बगैर पुलिस को इत्तला किए और अपने स्तर से एहतियातन उपाय किए वे घर बंद कर चले जा रहे। दूसरी ओर, पुलिस के हाथ किसी भी चोरी कांड को अंजाम देने वाले गिरोह नहीं चढ़ सके हैं। लिहाजा, घटनाओं का दौर लगातार जारी है।

जनवरी महीने 6 जनवरी को चास के जोड़ा मंदिर के पास रहने वाले मनोज कुमार शर्मा के घर इस साल की पहली चोरी हुई। उनका पूरा परिवार गांव श्राद्ध कर्म में गया था। इस बीच चोरों ने घटना को अंजाम दे दिया। अगले ही दिन 7 जनवरी को सेक्टर-4ए में रहने वाला परिवार मात्र दो घंटे के लिए आवास बंद कर चीरा चास गया था। जब रात में लौटा, तो उनके आवास का ताला टूटा हुआ था। उसके घर से करीब 10 लाख के जेवरात गायब थे। वहीं 11 जनवरी को चास पुरुलिया मेन रोड़ में गुरुद्वारा के पास गोल्डेन कैम्पस अपार्टमेंट में रहने वाले दो परिवारों के आवासों में लगे ताले को दिन दहाड़े तोड़कर करीब 21 लाख रुपए के जेवरात लेकर भाग निकले।

इसी प्रकार 15 जनवरी को सेक्टर-6 के दो बंद आवास में दो लाख, 17 जनवरी को सेक्टर-3 बी के बंद आवास से 50 हजार और 22 जनवरी को सेक्टर-12सी के बंद आवास में 70 हजार की चोरी हुई। सिलसिला फरवरी में भी जारी रहा। 6 फरवरी को सेक्टर-3 ई के रहने वाले उदयशंकर सिंह के बंद घर से 10 लाख के जेवरात की चोरी हो गई। 13 फरवरी की रात में सेक्टर-9 सी के दुकान में 50 हजार, 18 फरवरी की रात सेक्टर-2डी के आवास संख्या-2-252 का ताला तोड़कर 6 लाख, 23 फरवरी की रात में चास के केके सिंह कॉलोनी में आवास की खिड़की तोड़कर 5 लाख और उसी रात शिवपुरी कॉलोनी में करीब 1 लाख रुपए के गहने और बर्तन की चोरी बदमाशों ने कर ली। इसके बाद शुक्रवार-शनिवार की रात जामगोड़िया में डेढ़ लाख के गहने चोर ले गए।

लगातार चोरी की घटनाओं से शहरवासियों में दहशत है। जानकारों का मानना है कि शहर में पुलिस की गश्ती को और चुस्त-दुरुस्त करने की जरूरत है। पुलिस अगर अपने गुप्तचर सूत्र को मजबूत बनाएगा, तो बड़े से बड़े नेटवर्क तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

निर्देश सभी कंपनियां और एजेंसियां नियोजनालय से कराएं निबंधन : डीसी

निजी अस्पतालों की जांच में खोज रहे फायर सेफ्टी, पर खुद के सदर अस्पताल में ही नहीं

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में सदर अस्पताल की अव्यवस्था तो सर्वविदित है, लेकिन अग्नि-सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम को लेकर भी लापरवाही रही है। धनबाद के अस्पताल में अगलगी की घटना के बाद फायर सेफ्टी को लेकर यहां एडवाइजरी ली गई है। यह बात खुद स्वास्थ्य महकमे के सबसे बड़े अधिकारी सिविल सर्जन ने मानी है। पिछले दिनों निजी अस्पतालों में निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद ने एक सवाल के जवाब में माना कि फायर सेफ्टी की व्यवस्था फिलहाल सदर अस्पताल के पास भी नहीं है, लेकिन इसके लिए उन्होंने एडवाइजरी ले रखी है। उन्होंने माना कि धनबाद की घटना के बाद ही सदर में फायर सेफ्टी की एडवाइजरी ली गई है। उन्होंने कहा- जबसे रुल-रेगुलेशन कड़ा हो रहा है, तो हमलोग भी पालन कर रहे हैं। जाहिर है, सबसे सरकारी अस्पताल की यह स्थिति चिराग तले अंधेरा वाली कहावत को चरितार्थ करती है।

प्राइवेट हॉस्पिटल वालों ने कहा- जांच के नाम पर सिर्फ छोटे अस्पतालों पर कार्रवाई निंदनीय

बोकारो प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन ने बोकारो के सिविल सर्जन द्वारा अस्पतालों की जांच किये जाने का एक ओर जहां स्वागत किया है, वहीं बड़े अस्पतालों को छोड़कर कुछ खास और छोटे अस्पतालों को ही टारगेट किये जाने की निंदा की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले कई दिनों से चास-बोकारो के छोटे-छोटे निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम की औचक जांच की जा रही है, जिसका हमलोग स्वागत करते हैं। क्योंकि, सिविल सर्जन की इस कार्रवाई से इन अस्पतालों में जो कुछ भी छोटी-छोटी कमियां हैं, उनमें सुधार किये जाने का अवसर मिलेगा। परन्तु, ऐसा देखा जा रहा है कि औचक जांच के नाम पर सिर्फ छोटे-छोटे अस्पतालों को ही निशाना बनाया जा रहा है। जबकि, बड़े-बड़े अस्पतालों को जांच के दायरे से बाहर रखा जा रहा है, जो बिल्कुल ही निंदनीय है। कुछ छोटे अस्पतालों को ही टारगेट कर सिविल सर्जन द्वारा की जा रही कार्रवाई से अस्पताल के संचालकों में काफी रोष व्याप्त हो गया है। बोकारो प्राइवेट हॉस्पीटल एसोसिएशन ने सिविल सर्जन से निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। बैठक में बोकारो प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनलाल मांझी, शिवम अस्पताल के राजू कुमार सिंह, शिव-शक्ति अस्पताल के सुभाष सिंह, सत्यम अस्पताल के राकेश कुमार, बोकारो सर्जिकल के बी पी सिंह, नवजीवन अस्पताल के मनोज कुमार सहित कई अन्य अस्पतालों व निजी नर्सिंग होम के संचालक उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

बीएसएल में हुई वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा शनिवार को ट्रेनीज हॉस्टल परिसर में वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता- 2023 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने गुब्बारा उड़ाकर किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं) बी एस पोपली, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) मनीष जलोटा सहित बीएसएल के अन्य वरीय अधिकारी समेत मानव संसाधन विकास विभाग के अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने अपने संबोधन में खेल-कूद की महत्ता को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को बढ़-चढ़कर भाग लेने का संदेश दिया। इस वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में मानव संसाधन विकास के लगभग 450 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसमें वरीय ओसीटी, ओसीटी एवं एसीटी शामिल थे।

आचार्य प्रसन्न सागर से मिले अनिल अग्रवाल

बेरमो : बेरमो पारसनाथ से पेटरवार जाने के क्रम में डुमरी के समीप विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी से मिला। शिष्टमंडल में शामिल लोगों ने मुनिश्री का आशीर्वाद लिया। अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्न सागर जी महाराज अद्भुत सिंहनिष्क्रीडित व्रत उत्कृष्ट तप मौन साधना कर 557 दिनों तक मौन रहे थे। इन 557 दिनों के दौरान 496 दिन उपवास व 61 पारणा की। आचार्य प्रशांत सागर के महापारणा कार्यक्रम में योग गुरु बाबा रामदेव और नेपाल के सांसद भी शामिल हुए थे। श्री अग्रवाल के साथ मिलने वाले लोगों में हितेश कोठारी, हर्मेश मेहता, राजू बोरा आदि शामिल रहे।

मिथिला पंचांगयुक्त विशेष कैलेंडर का विमोचन

बोकारो : बोकारो में मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में हुई। परिषद संचालित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में आयोजित इस आमसभा में सभी कार्यकारिणी पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांगठनिक सशक्तिकरण के साथ-साथ शहर के सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। परिषद की ओर से इन तीनों ही आयामों में सक्रिय योगदान और भागीदारी का निर्णय लिया गया। शैक्षणिक योगदान की दिशा में मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सुचारू प्रबंधन एवं संसाधनों के विस्तार पर प्रकाश डाला गया। आगामी 15-16 अप्रैल को आयोजित दोदिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व समारोह की तैयारी और सफलता को लेकर गहन मंथन किया गया। महासचिव अविनाश कुमार झा के अनुसार समारोह को भव्य बनाने के निमित्त विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि समारोह में स्थानीय एवं आमंत्रित अतिथि कलाकारों द्वारा गीत-संगीत, नृत्य और नाट्य-मंचन का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व, 7 मार्च को आहूत होली मिलन समारोह की सफलता पर भी विचार-विमर्श किया गया।

चंद्रपुरा में मुस्कान लाने को डीवीसी तत्पर : पांडेय

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन व निगमित सामाजिक दायित्व विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर चंद्रपुरा स्थित फुटबॉल मैदान में शनिवार को संपन्न हो गया। मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने पूर्व कार्यपालक निदेशक बीएन शाह, सीपी सिंह, डॉ. श्रीमंत साहू और एनटीपीसी के पूर्व अधिकारी आरके अनेजा आदि को और अरविंद कुमार सिन्हा ने मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान को शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चंद्रपुरा सहित आसपास के क्षेत्रों में जन-जन के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस क्षेत्र की खुशहाली के लिए डीवीसी हमेशा प्रयास में लगी रहेगी। इस अवसर पर शिवशक्ति अवतार सेवा संस्थान रायपुर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक, अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक, योग मेडिटेशन प्रशिक्षण एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉक्टर साहू ने उपस्थित डीवीसीकर्मियों एवं स्थानीय लोगों को योग का प्रशिक्षण दिया।

बिहार की राजनीति में फिर घमासान

विशेष संवाददाता

पटना : खुद को समाजवादी होने का दंभ भरने वाले नीतीश कुमार की हालत बिहार की राजनीति में लगातार खराब होती जा रही है। हालांकि, राजनीति में सब कुछ क्षम्य है, लेकिन नीतीश कुमार का राजनीतिक इतिहास केवल और केवल धोखा देने वाले नेता का ही रहा है। कभी उन्होंने समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीस को धोखा दिया तो कभी शरद यादव और लालू यादव को। सत्ता का सिंहासन पाना उनकी राजनीति का एकमात्र मकसद रहा है। यही वजह है कि उन्होंने समाजवादी सिद्धान्तों का गला घोंटकर समाजवादियों के लिए कथित रूप से अछूत माने जाने वाले राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा और बिहार की सत्ता पर वर्षों तक काबिज रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की केन्द्र सरकार में उन्हें भारत सरकार में रेल मंत्री बनने का भी सौभाग्य मिला, लेकिन फिर जब मौका मिला, उन्होंने भाजपा को किनारा कर दिया। बाद में उन्होंने लालू यादव की गोद में जाने से भी परहेज नहीं किया, जनकी सरकार को उन्होंने ही जंगल राज घोषित किया था। लेकिन, अब नीतीश कुमार अपनों के ही निशाने पर आ गये हैं। कभी उनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने वाले आरसीपी सिंह और उपेन्द्र कुशवाहा सरीखे नेता उनके खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठे हैं। आरसीपी सिंह तो पहले से ही नीतीश के कारनामों को लेकर अलग यात्रा कर रहे हैं, अब उपेन्द्र कुशवाहा ने भी उन्हें अंगूठा दिखाना शुरू कर दिया है। क्योंकि, नीतीश अब सिर्फ लालू यादव के भरोसे ही अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। यही वजह है कि अब भाजपा को भी एक बड़ा मौका मिल गया है।

रूपरेखा बदलनी तय

अब जब नीतीश कुमार भाजपा का साथ छोड़ने के बाद महागठबंधन के साथ हैं तो बिहार की राजनीति की रूपरेखा बदलनी भी तय है। कुछ दिन पहले तक जदयू में हिस्सेदारी मांग रहे उपेन्द्र कुशवाहा ने अपना अलग दल बना लिया है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की शिकायतों और निवारण की बात खुद सीएम नीतीश कुमार ने पूर्णिया की जनसभा में की।

जाहिर तौर पर अगले लोकसभा चुनावों से पहले बिहार जैसे राजनीतिक नजरिए से बेहद सजग माने जाने वाले राज्य में दलों के गठबंधन और टूट-फूट के कई और रंग अभी दिखने बाकी हैं।

भाजपा ने भी चल दी चाल

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने भी नीतीश को बिहार की राजनीति से उखाड़ फेंकने की चाल चल दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। अब इस बात को तो सभी राजनीतिक पंडित जानते और समझते हैं कि राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से उत्तर प्रदेश के बाद बिहार पर सबकी नजरें क्यों रहती हैं? जाहिर तौर पर बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं और पिछली बार 40 में से 39 सीटें एनडीए गठबंधन की झोली में गईं थीं। तब एक ओर जहां भाजपा-जदयू और लोजपा साथ में चुनाव में उतरे थे, तो वहीं दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के साथ जीतन राम मांझी, मुकेश सहनी और उपेन्द्र कुशवाहा के संबंधित दलों के साथ वाम दल का भी साथ था। तब का महागठबंधन या कहें कि यूपीए ने सिर्फ एक किशनगंज लोकसभा सीट जीती थी। इसके पीछे भी एक मुख्य वजह उसका मुस्लिम बहुल इलाका होना था। पिछले साल सितंबर में अमित शाह ने इस इलाके में लोकसभा चुनाव की अनौपचारिक शरुआत भी कर दी थी।

दो माह बाद स्थापित होगी माता सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा

सदियों तक प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी मां जानकी की प्रतिमा : मिश्र

सतीश कुमार झा

सीतामढ़ी : मां जानकी की भूमि सीतामढ़ी में माता सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना दो महीने बाद अप्रैल महीने में होगी। प्रतिमा की स्थापना तथा संबंधित क्षेत्र को तीर्थ, पर्यटन एवं शक्ति स्थल के रूप में विकसित करने के विषय पर आयोजित प्रेस वार्ता में काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह केवल विशाल प्रतिमा नहीं, बल्कि हमारी नारी समाज के आदर्श एवं प्रेरणा का प्रतीक होगा, जो सदियों तक महिलाओं को माता सीताजी जीवन से सीखने को प्रोत्साहित करता रहेगा। काउंसिल के अध्यक्ष ने कहा कि हम नलखेड़ा से शीघ्र ही ज्योत निकालेंगे जो भारत के हर राज्य की राजधानी से गुजरकर भूमि-पूजन के दिन सीतामढ़ी इस दिव्य स्थान तक पहुंचेगी। काउंसिल की ओर सीतामढ़ी में मंदिर के लिए गठित श्रीभगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति का अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर भगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील कुमार पिंटू तथा काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्र सहित अन्य पदाधिकारियों में जयकांत सिंह, दिनेश आनंद, जय दीक्षित , प्रियंका सिंह व अन्य लोग मौजूद रहे।

ऐसी होगी प्रतिमा और ऐसा बनेगा मंदिर-परिसर

- माता सीताजी की 251 फीट ऊंची प्रतिमा के चारों ओर वृत्ताकार रूप से 108 ऐसी प्रतिमाओं का निर्माण होगा, जिससे माताजी के जीवन दर्शन दिख सके।
- प्रतिमाओं का दर्शन नौका विहार तरीके से विकसित किया जाएगा।
- इसके साथ ही शोध केंद्र, अध्ययन केंद्र, डिजिटल लाइब्रेरी जैसे कई कार्यों को प्रारंभ किया जाएगा।
- परिसर में रामायण के सभी प्रमुख पात्रों की प्रतिमाएं दिव्य रूप में स्थापित होगी।
- विभिन्न राज्यों में स्थापित प्रमुख देवी-देवताओं के लोकप्रिय प्रतिमाओं को भी उसी रूप में वहां स्थापित किया जाएगा।

रमजान बाद जाति आधारित जनगणना का दूसरा चरण कराने की मांग

मिथिला डायरी

बोखड़ा : बोखड़ा बिहार स्टेट उर्दू टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमर मिसबाही व महासचिव मुहम्मद शफीक ने बिहार विधान परिषद सभापति देवेश चंद्र ठाकुर से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर रमजान के बाद दूसरे चरण की जाति आधारित जनगणना कराने के लिए कए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने रमजान के अहम महीने को देखते हुए अगले अप्रैल में होने वाले जाति आधारित जनगणना के दूसरे चरण की तिथि बढ़ाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य में सभी बहाल शिक्षक हमेशा सरकार के आदेशों का पालन करते हैं, इसलिए सरकार के आला अधिकारियों को रमजान में मुस्लिम शिक्षकों की भी चिंता करनी चाहिए, ताकि मुस्लिम शिक्षकों को कोई परेशानी न हो क्योंकि रमजान का महीना मुसलमानों के लिए बहुत पाक है। इसके अलावा इस महीने में मुसलमान सूरज की तपिश को सहते हैं और 15 से 16 घंटे रोजे की स्थिति में रहते हैं, जिससे कई मसले प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्होंने अपना संदेश देवेश चंद्र ठाकुर के जरिए सरकार और उसके उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने की कोशिश की है। कमर मिसबाही ने बिहार सरकार से 21 अप्रैल के बाद जाति आधारित जनगणना कार्य कराने की मांग की है, ताकि मुस्लिम शिक्षकों व अन्य मुस्लिम कर्मचारियों को भी इस कार्य में सुविधा हो सके। मुस्लिम शिक्षकों को मतगणना कार्य करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, इसलिए सरकार को अपने मुस्लिम कर्मचारियों को परेशानी से उबारने के लिए जल्द ही तारीख बढ़ाने की घोषणा करनी चाहिए।

मड़ुआ खायेंगे और डोकरा लेकर जायेंगे डेलिगेट्स

जी -20 की बैठक 2 को रांची में, झारखंडी व्यंजन खिलाने की तैयारी

देवेन्द्र शर्मा

रांची : झारखंड आने वाले जी-20 देशों के डेलीगेट्स के स्वागत तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 20 देशों के लगभग 60 डेलीगेट्स एक मार्च को ही रांची पहुंच जाएंगे। सभी अतिथि मेहमान को हवाई अड्डा से सीधे होटल रेडिशन ब्लू लाया जाएगा। विदेशी मेहमान यहां पर मड़ुआ से बने पकवान के साथ ही पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखेंगे। साथ ही उन्हें यादगार के तौर पर झारखंड की पारंपरिक वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की जाएंगी। इन उपहारों को तैयार करने की जिम्मेदारी झारक्राफ्ट को सौंपी गयी है। सरकार की ओर से झारक्राफ्ट को जिन उपहारों का ऑर्डर दिया गया है, उनमें लगभग 140 पीस बुकमार्क डायरी, 100 सिल्क के बने पारंपरिक जैकेट, लगभग 200 पीस ट्रेडिशनल डोकरा फ्रेमिंग सहित अन्य वस्तुएं शामिल हैं। झारखंड में स्थानिक आयुक्त को ओवरऑल को-ऑर्डिनेशन के लिए नोडल अफसर नामित किया गया है।

एक से चार मार्च तक होटल में नो-रूम : जी-20 की बैठक रांची के पांच सितारा होटल रेडिशन ब्लू में होगी। होटल के सभी कमरे एक मार्च से चार मार्च तक के लिए बुक कर दिए गए हैं। इस दौरान बाहरी लोगों का प्रवेश होटल में वर्जित रहेगा। होटल रेडिशन ब्लू की सुरक्षा तीन लेयर में कई गयी है। राज्य सरकार द्वारा रेडिशन ब्लू के अलावा कुछ कमरे होटल बीएनआर में भी बुक कराए गए हैं। कुल सौ कमरे बुक कराए जा चुके हैं। विभाग की ओर से होटल को पूरा मेन्यू उपलब्ध करा दिया गया है। इसमें पारंपरिक व्यंजनों को प्राथमिकता दी गई है। उन्हें मिलेट्स भी परोसे जाएंगे।

पतरातू लेक का भी लेंगे मजा, लगेगी विशेष प्रदर्शनी : तीन मार्च को जी-20 देशों के डेलीगेट पतरातू लेक का भ्रमण करेंगे। डेलीगेट्स पतरातू भ्रमण के दौरान सिल्क वैली देखने जा सकते हैं। इस दौरान रेडिशन ब्लू होटल से लेकर कांके रोड होते हुए पतरातू लेक तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। वहीं, पतरातू रिसॉर्ट में झारखंड की मुख्य पारंपरिक वस्तुओं और कला से संबंधित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में जिन चीजों को डिस्प्ले किया जाएगा, उन्हें स्थानीय कलाकार तैयार करेंगे। इसमें पेंटिंग्स की बिक्री भी की जाएगी। विदेशी मेहमान अपनी पसंद के अनुसार पेंटिंग्स खरीद सकेंगे।

विशेष साधनात्मक पर्व है होलाष्टक

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

होलाष्टक तांत्रोक्त पर्व पर की जाने वाली साधना होली के विविध रंगों की भांति जीवन को साधनात्मक रंगों में रंग कर भौतिक और आध्यात्मिक, दोनों ही लक्ष्यों को प्राप्त कराने का एक विशेष साधनात्मक पर्व भी है, जब साधक अपने समस्त पापों को होलिकाग्नि में तिरोहित कर सर्वस्व प्राप्त करने में सफल हो सकता है।

जीवन तो निरंतर गतिशील साधना पथ है। नित्य प्रति संसार के सभी प्राणी अपने कर्म साधना को संपन्न करते हैं और अपने पूर्व जन्मों के कर्म के अनुसार और इस जन्म के कर्म अनुसार फल भी प्राप्त करते हैं। सबके मन में यह प्रश्न आता है कि साधना का सबसे विशिष्ट मुहूर्त क्या है, जिसमें साधना की जाए और अवश्य फलीभूत हो जाएं।

आपके मन में जो विचार थे, वही प्रश्न एक बार देवर्षि नारद ने भगवान विष्णु से पूछा- हे प्रभु! कलियुग में भक्ति, तप, जप सब विद्यमान रहेंगे, लेकिन किस पर्व पर विशेष तप किया जाए, जिससे साधक या व्यक्ति तीव्रतम रूप से जागृत हो जाए।

विष्णु ने कहा कि- एक काल में मैंने अपने भक्त की रक्षा के लिए नृसिंह अवतार धारण किया था। उस समय मैंने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की और केवल रक्षा ही नहीं की, उसे कुल वृद्धि का वरदान भी प्रदान किया, जिससे उसके आने वाले वंशज भी परम प्रतापी राजा

होलाष्टक : 27 फरवरी से 7 मार्च 2023

हुए। ... और नारद तुम जानते हो कि प्रह्लाद के पुत्र राजा बलि के सामने मुझे स्वयं आकर अवतार लेकर आना पड़ा था और राजा बलि को मैंने आशीर्वाद दिया और पाताल लोक का साम्राज्य प्रदान किया।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी को प्रह्लाद तपस्यारत हो गए थे और उनकी अग्नि परीक्षा पूर्णिमा के दिन हुई। यह भक्त और अभक्त के बीच संसार का सबसे बड़ा संग्राम था। मैं यह सब लीला देख रहा था। इसीलिए फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक के 8 दिन जो साधक विशेष साधनारत होता है, तपस्यारत होता है, उसको कोई भी प्रकार का ताप संतप्त नहीं कर सकता है। वह सब तापों की अग्नि में उज्जवल होकर मेरे भक्त प्रह्लाद की तरह विजयश्री प्राप्त करता है।

साधकों को यह ध्यान होना चाहिए कि गृहस्थ साधक चैत्र और आश्विन नवरात्रि में विशेष साधनाएं करते हैं। योगी और संन्यासी गुप्त नवरात्रि में साधना करते हैं, लेकिन जो तंत्र के द्वारा सिद्धि प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कालखंड है- होलाष्टक। अर्थात अष्टमी से पूर्णिमा होलिका दहन का काल।

होलिका अग्नि है, होलिका देवी है, होलिका देवी का ही स्वरूप है। सभी को यह भ्रम है कि होलिका राक्षसी स्वरूपा है, जो अपने भाई के पुत्र को अग्नि में लेकर बैठ गई। वास्तव में होलिका को रक्षा स्वरूपिणी है, जिसकी ममता की छांव में संसार की कोई भी अग्नि तप्त नहीं कर सकती है।

होलिका का उद्भव भी प्रह्लाद की रक्षा के लिए ही हुआ था। होलिका अपना कार्य पूर्ण कर ईश्वरीय ज्योति में एकाकार हो गई। इसीलिए होलिकाग्नि के चारों ओर परिक्रमा संपन्न की जाती हैं और उन्हें प्रसाद, फल, ज्वारे, नारियल इत्यादि अर्पित किए जाते हैं, जिससे घर परिवार में त्रिविध ताप की शांति हो।

सुधी पाठक साधक प्रतीक्षा करते हैं होलाष्टक के इन 8 दिनों की। तब वे कम से कम संभाषण करते हैं और एक निष्ठा भाव से विशेष तांत्रिक साधना करते हैं। जो साधक होलाष्टक में साधना करता है, उसे अवश्य ही फल प्राप्ति होती है। संसार की कोई भी विरुद्ध शक्ति उसके कार्य में बाधा डाल नहीं सकती। वह स्वयं साधना से इतना संपन्न हो जाता है कि अपनी शक्ति से ही बाधाओं पर विजय प्राप्त करता है। इस वर्ष फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, होलाष्टक 27 फरवरी 2023 से 7 मार्च 2023 तक है।

अग्निदेव

ऋग्वेद में इन्द्र के बाद अगला स्थान अग्निदेव का है। ऋग्वेद की 1028 ऋचाओं में से लगभग 200 ऋचाएं अग्निदेव को समर्पित हैं। अग्नि सेतु की तरह देवलोक और भूलोक के बीच हो रहे वरदान एवं हवि के विनिमय को नियंत्रित करती हैं। अग्नि माध्यम है, विशेष रूप से स्वधा, उनकी पत्नी, जिनका आवाहन कर हवि पृथ्वी लोक से देवलोक को गमन करती है।

इसीलिए अग्नि की महत्ता इतनी अधिक है कि ऋग्वेद का प्रथम श्लोक अग्नि को समर्पित है-

ऊँ अग्निमले पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम् होतारं रत्नधाताम्

मैं अग्नि की स्तुति करता हूं। वे यज्ञ के पुरोहित दानादि गुणों से युक्त यज्ञ में देवों को बुलाने वाले एवं यज्ञ के फल रूपी रत्नों का धारण करने वाले हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य में सुधार। लंबी यात्रा के योग। धन के लेन-देन में सावधानी बरतें। धैर्यपूर्वक अपने कार्य में लगे रहें। भाग्य में थोड़ी कमी। किसी भी मंजिल के लिए संघर्ष ज्यादा करना होगा।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शरीर में जोड़ों के दर्द, पेट संबन्धी बीमारियों के प्रति सावधान रहें। बनते-बनते कार्यों में विघ्न-बाधाएं आ सकती हैं। स्वजनों से रिश्ते बेहतर करें। सामाजिक प्रतिष्ठा का ह्रास हो सकता है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य में सुधार। वाणी पर संयम रखें। बन्धुजनों से लाभ। भाग्य में वृद्धि। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। लम्बी यात्रा के योग। धनागम के योग। शत्रुओं पर विजय। विद्यार्थियों को परिश्रम की विशेष जरूरत। धार्मिक कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ेंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें, लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। अचानक लाभ हानि के योग बन सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे। जीवन अस्त-व्यस्त होने के कारण तनाव बढ़ सकता है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार। धन की प्राप्ति। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन, वस्त्र और शय्या-सुख की प्राप्ति।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख-आनन्द का अनुभव करेंगे। रोगमुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय। सप्ताहांत में थोड़ी मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सामान्य धन-लाभ हो सकते हैं। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। स्त्री-सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। धन-व्यय के आसार बढ़ेंगे। व्यवसाय में हानि। धार्मिक क्रिया-कलापों के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में कार्य बढ़ने से तनाव बढ़ सकते हैं। शत्रुओं की पराजय। व्यय में अधिकता। व्यक्तिगत समस्यासों को अधिक प्राथमिकता दें।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें- 7808820251

बीएसएल में फिर रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड

सीआरएम-3 व ब्लास्ट फर्नेस के साथ क्रूड स्टील उत्पादन में बने नए कीर्तिमान

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) की प्रमुख उत्पादन इकाइयां उत्पादन के नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। इस कड़ी में सीआरएम -3 की एचडीजीएल इकाई ने उत्पादन का एक नया शिफ्ट रिकॉर्ड बनाया है। 22 फरवरी को यहां ए शिफ्ट में 435 टन उत्पादन, बी शिफ्ट में 504 टन उत्पादन तथा सी शिफ्ट में 525 टन उत्पादन कर नए कीर्तिमान बनाए गए। इन तीनों ही शिफ्ट में प्रोडक्शन रेट इसके रेटेड कैपेसिटी से अधिक रहा। 22 फरवरी को ही सीआरएम -3 के एचडीजीएल ने 1463 टन उत्पादन का नया दैनिक रिकॉर्ड भी बनाया। बोकारो स्टील प्लांट के प्रमुख, संचार मणिकांत धान के अनुसार सीआरएम -3 के एचडीजीएल की इस उपलब्धि पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी ने इस इकाई की टीम को बधाई दी और उत्कृष्टता के इस क्रम को जारी रखने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-3) वेद प्रकाश भी उपस्थित थे। ब्लास्ट फर्नेस की टीम ने भी चार फर्नेस परिचालन से 15357 टन हॉट मेटल उत्पादन का नया दैनिक रिकॉर्ड बनाया है और निष्पादन में उत्कृष्टता की ओर लगातार अग्रसर है।

इसके पूर्व चार ब्लास्ट फर्नेस परिचालन के साथ 15897 टन क्रूड स्टील उत्पादन का नया दैनिक रिकॉर्ड बनाया। इसी प्रकार बीएसएल का एसएमएस-न्यू अपनी कमीशनिंग के उपरान्त उत्पादन में उत्कृष्टता के लगातार नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है। 21 फरवरी को एसएमएस-न्यू में सिंगल टंडिश से 33 हीट कास्ट की गई, जबकि इसके पहले विगत 26 दिसम्बर को 32 हीट का रिकॉर्ड बना था। बेहतरी के इस क्रम में फ्लाइंग टंडिश से सिंगल सिक्वेंस में 64 हीट कास्टिंग का नया रिकॉर्ड भी बना जबकि इससे पूर्व विगत 8 नवम्बर को सिंगल सिक्वेंस में 55 हीट कास्टिंग का रिकॉर्ड बना था। इन उपलब्धियों के लिए वरीय अधिकारियों ने संबन्धित विभागों को बधाई दी है।

इधर, कैपिटल रिपेयर के बाद क्वेंचिंग वैगन-12 का उद्घाटन

बीएसएल के सी ओ एंड सी सी विभाग में कैपिटल रिपेयर के उपरान्त क्वेंचिंग वैगन-12 का उद्घाटन बुधवार को अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मेंटेनेंस) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सी ओ एंड सी सी) राकेश कुमार सहित सी ओ एंड सी सी विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। कोक ओवेन बैटरी 1/2 में क्वेंचिंग लोको 009 के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले क्वेंचिंग वैगन-12 में कैपिटल रिपेयर के तहत नया शटर गेट लगाया गया है, जिससे इसकी विश्वनीयता बढ़ेगी तथा कोक के स्पिलेज में भी कमी आएगी। पूर्णतः इन-हाउस रिपेयर के इस कार्य को सी ओ एंड सी सी विभाग के महाप्रबंधक (मेकेनिकल) अशोक कुमार एवं एस. अंसारी के मार्गदर्शन में उप महाप्रबंधक मनीष कुमार, सहायक महाप्रबंधक संतोष कुमार, वरीय प्रबंधक पवन कुमार एवं मो. फिदाउल इत्यादि द्वारा संपादित किया गया।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
कीटों के अंडे, जल-पादप
भोजन बनते रोज गपागप
जल में मछली, मेंढ़क, साँप
चीलों से जाते ये काँप
भक्षक-भक्ष्य सभी हैं मिलते
वन में चलता रहता यह व्यवहार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
जंगल में जो पेड़ है सूखा
समझो उसका कार्य अनोखा
सूक्ष्म जीव शत छाल के भीतर
कोटर, कीटों-चिड़ियों के घर
जड़ में भी गह-गह है जीवन
मरा, किन्तु पहले प्राणों का हार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

इलेक्ट्रिक स्कूटर 'इंडी' हुआ लॉन्च

बाजार में नया

बेंगलुरु की इलेक्ट्रिक स्टार्ट-अप कंपनी रिवर ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर 'इंडी' लॉन्च किया है। ये स्कूटर फुल चार्ज 120 किलोमीटर तक की राइडिंग रेंज (इको मोड पर) देगा। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरूआती कीमत 1.25 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। रिवर ने अपने इस ई-स्कूटर में 4 केडब्ल्यूएच क्षमता वाले बैटरी पैक के साथ 6.7 किलोवाट पावर वाली इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। ये स्कूटर 3.9 सेकंड में 40 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकता है। इसकी बैटरी को 5 घंटे में 0 से 80% तक चार्ज किया जा सकता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को फुल चार्ज करने पर 120 किलोमीटर तक की राइडिंग रेंज (इको मोड पर) मिलेगी। वहीं इसकी टॉप स्पीड 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की है।

AFFIDAVIT

I, **ABHINAV SINGH**, S/o- Ravikant Singh, R/o- Qtr. No. 2063, Sector- 4/C, P.O. & P.S.- Sector - 4, B. S. City, Dist.- Bokaro - 827004, Jharkhand declare before The Notary Public, Bokaro (vide Affidavit No. 74609/20.02.2023) that my actual and correct name is **ABHINAV SINGH** which is mentioned in my Aadhar Card (No. 8270 0988 4539) and other documents. In my Passport (No. N4012244), my name has been mentioned as **ABHINAV**. I will be called as **ABHINAV SINGH** for all the needful purposes now onwards.

पेज- एक का शेष

ईडी के जाल में...

देवी के पास 16 किलोग्राम सोना तथा करोड़ों के हीरे और जेवरात मौजूद हैं। पत्नी राजकुमारी देवी, पिता गेंदा राम, भतीजा आलोक रंजन तथा रिश्तेदारों के नाम से दिल्ली स्थित सर्वश्रेष्ठ डिफेंस कालोनी, छतरपुर, साकेत कालोनी, जमशेदपुर, रांची के पिठौरिया सहित अन्य नौ शहरों में अवैध संपत्ति है। पिता गेंदा राम ने 2014 -19 तक की अवधि में 9.30 करोड़ की संपत्ति खरीदी। दिल्ली में छतरपुर, डिफेंस कालोनी, टाटा, साकेत, पटना, सिवान और कर्नाटक में करोड़ों की संपत्ति मिली है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

फन फैला रहे खालिस्तानी संपोले

ब्रिसबेन से मोद प्रकाश

गत सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन शहर में खालिस्तानी खुराफातियों नें भारतीय वाणिज्यिक दूतावास पर हमला किया और वहां भारतीय झंडा हटाकर खालिस्तानी झंडा लगा दिया। इधर, महीने भर से सिडनी, मेलबोर्न और ब्रिसबेन में खालिस्तानी खुराफात बहुत बढ़ा हुआ है। पिछले महीने सिडनी और मेलबर्न के मंदिरों की दीवारों पर धमकियां लिखी गईं तथा वहां के पुजारियों को पूजा करने के विरोध में धमकाया गया। इन सारी घटनाओं के तार कनाडा और ब्रिटेन में भी ऐसे ही गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी इन खुराफातों की गतिविधि काफी बढ़ी हुई है। सोचने वाली बात है कि क्या इन सब अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों और अमृतसर की घटना के मद्देनजर यह अनुमान लगाना चाहिए कि अस्सी के दशक वाली खालिस्तानी कहानी की पुनरावृति हो रही है? क्या हमारी सरकारों ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा?

फिर दिख रहे 1980 जैसे हालात

अगर हम इतिहास को थोड़ा खंगाले तो पता चलेगा कि आज की स्थिति लगभग वैसी ही है जैसी 1980 के समय थी जब पंजाब में खालिस्तानी आतंकवादी गतिविधियां शुरू हुई थीं। 1971 में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान ने भारत की सामाजिक विषमता रेखाओं (फॉल्ट लाइन्स) पर ध्यान दिया और वहीं से उसने सिखों के एक जत्थे तैयार किए और उनको उकसाकर खालिस्तान आंदोलन शुरू करवाया। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 1971 में युद्ध हुआ और 1973 में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव पास हो गया, जिसमें सिखों ने पंजाब में ज्यादा स्वायत्तता और विशेष दर्जे की मांग की और साथ ही सिख को एक अलग धर्म घोषित करने की भी मांग की। सरकार ने इसे नकार तो दिया पर उन नेताओं के साथ सख्ती बरतने की जगह तुष्टिकरण की नीति जारी रखी।

इमरजेंसी खत्म होते ही इस समस्या ने फिर सिर उठाया और इस बार इसने हिंसक रूप ले लिया। सरकार की अनदेखी और तुष्टिकरण नीति जारी रही और इसी वजह से अकाली दल ने एसजीपीसी (शिरोमणि अकाल तख्त प्रबंधन कमेटी) पर कब्जा कर लिया । देखते-देखते 1983 में स्वर्ण मंदिर में घुस गए और वहां किलेबंदी कर दी और वहां सैन्य जखीरा बना दिया। 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार और फिर इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद सबसे शर्मनाक, दुखदायी और अमानवीय दंगे, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। सिखों को किसी आनंदपुर प्रस्ताव से कोई मतलब नहीं था और हर सिख जानता है कि सिख और हिन्दू अलग है ही नहीं। एक ही सनातन और एक ही अनन्त की धाराएं हैं। गत सप्ताह जिस तरीके से एक अपहरण आरोपी को पुलिस स्टेशन से छुड़ा लिया जाता है और भीड़ में ये उग्रवादी बिना किसी रोक-टोक के हथियार और बंदूकें लेकर घूमते हैं, अगर इसे रोका नहीं गया तो स्थिति गंभीर होती जाएगी। वाहेगुरू न करें कि अस्सी की घटनाएं फिर शुरू हो जाएं।

दलगत राजनीति से ऊपर उठे सरकार

मौजूदा हालात में पंजाब सरकार को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इसे राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से देखना चाहिए, क्योंकि आग लगेगी तो सभी को आंच आएगी। एक अच्छी बात है कि समाज में कटुता नहीं है और सामाजिक सरोकारों में असर नहीं हो रहा है। देश की जनता को मालूम है कि इसके पीछे छिपे साजिशों के तार कहां से जुड़े हैं। बस सरकारें उचित समय पर एकजुट होकर कदम उठाएं, जिससे हिंसा के दौर न शुरू हो जाए। वाणिज्यिक दूतावास पर हमले को सरकार भारतीय राज्य पर हमला माने। सरकार इनके विदेशी संबंधों को खोजकर निकाले और उनके वीसा रद्द कर दे। भारतीय नागरिकों में जो भी लोग इस में शामिल हैं, उनके पासपोर्ट रद्द कर दिए जाएं और उन्हें भारत लाकर उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाए।

अब बदल चुका है भारत

हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई, आपस में भाई-भाई- अनेकता और विविधता में एकता ही हमारे भारत की पहचान, राष्ट्रीय ताकत और विरासत रही है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हम सभी देशवासियों की जिम्मेदारी है। देशवासियों को भी आपसी प्रेम-सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करना होगा और इन खालिस्तानी खुराफातियों और उनके आकाओं को वे बता दें कि अब भारत बदल चुका है। जिनलोगों ने खालिस्तान के नाम पर तिरंगे का अपमान किया, उन्हें वे जानें, पहचानें और सबक सिखाएं।

तुष्टिकरण में पंजाब सरकार की भूमिका

आज के परिप्रेक्ष्य में देखे तो हम पाएंगे कि स्थिति लगभग एक जैसी उभर रही है। पाकिस्तान की हालत खराब है और वह अपनी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। उसकी कश्मीर की राजनीति अब बन्द हो गई है और इसलिए पाकिस्तानी सेना अपने यहां के आतंकवादियों को कोई काम नहीं दे पा रही है। लिहाजा, कश्मीर के नाम पर पैसे कमाने का जरिया समाप्त होता जा रहा है। इस वक्त पंजाब में भी एक ऐसी सरकार है जो विपक्ष से ताल्लुक रखती है और इसलिए किसी खालिस्तानी अलगाववादियों का तुष्टिकरण बड़ी आसानी से हो रहा है। एक बार फिर एसजीपीसी में खालिस्तानियों का प्रभाव होता दिख रहा है, जबकि इस समय बस एक ही लोकसभा की सीट पर अकाली दल संसद में हैं। पिछले साल कृषि कानूनों के विरोध की वजह से सरकार ने उन कानूनों को वापस ले लिया उस वजह से भी इन अलगाववादियों को शह मिली।